SHRI SHIVRAJ V. PAUL: Sir, I move :

That the Bill as amended be passed.

The question was put and the motion was adopted

STATEMENT BY MINISTER

Status of implementation of the recommendations contained in the twenty-third report of the Department-Related Standing Committee on Information Technology

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): Sir, on behalf of my colleague I lay a copy of the statement regarding the status of implementation of the recommendations contained in the Twenty-third Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Information Technology.

SPECIAL MENTIONS

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI KALRAJ MISHRA): Shri Dara Singh. Not here. Shrimati Shobhana Bhartia. Not here. Shri S.P.M. Syed Khan. Not here. Shri Datta Meghe. Not here. Shri Ali Anwar.

Need to protect banarsi saree industry from closure

श्री अली अनवर (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे हजार साल पुराने बनारसी साड़ी उद्योग पर चीन की बुरी नज़र लग गई हैं । छह लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देने वाला और पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा बिहार के कुछ हिस्सों में फैला बनारसी साड़ी उद्योग इस समय आतंक के साये में हैं । चीनियों ने अपने कई तरह के सस्ते सिल्क को वाराणसी के बाजार में झोक दिया हैं । अब उनका इरादा चीन में बड़े पैमाने पर बनारसी साड़ियों का उत्पादन कराना हैं ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, एक तरफ चीन ने अपने सस्ते निर्यातों के जरिए यार्न बाजार पर कब्ज़ा कर लिया हैं, दूसरी तरफ रिफॉन, क्रेप और साटिन जैसे सस्ते फैब्रिक को हमारे बाजार मे झोंक रहा हैं । आज बनारसी साड़ी उद्योग पूरी तरह सस्ते चीनी धागे पर निर्भर हैं । चूंकि बाजार पर उनका कब्जा हैं, इसलिए वे धीरे-धीरे कीमते भी बढ़ा रहे हैं ।

इसके परिणामस्वरूप हस्तकरघा क्षेत्र के हजारों बुनकर व्यापार से बाहर हो गए हैं । इस उद्योग में पारंपरिक रूप से जुड़े छह लाख बुनकरों में से तीन लाख बुनकर, रिक्शा चलाने तथा दिहाड़ी मजदूरी करने के लिए मजबूर हैं । पिछले दो-तीन सालों में बनारस के सैकड़ो बुनकर